PlanetRead

Literacy for a Billion

Movie: Jeans
Year: 1998

Song: Touba Touba Yeh Jalwe
Lyricist: Javed Akhtar

आ ...

तौबा तौबा ये जलवे
कैसे कोई ना बहके
पूरे ही बदन में जैसे
रोशनी भरी है
तू है कोई हूर या तू
कोई परी है

तौबा तौबा ये जलवे
कैसे कोई ना बहके

प्यारी सी मूरत
भोली सी सूरत
फूल की जैसे
हो पंखड़ी
तेरा बदन है
या है कोई
रस की गागर
छलक पड़ी

गहरी नशीली
गहरी नीली
आँखों में है
मस्ती बड़ी
होंठ गुलाबी मुसकाए तो
छलके इक मोती की लड़ी

हुस्न की मलिका
ख़्वाबों की रानी
तेरे जैसा कोई नहीं
इस दुनिया में
लाखों हसीं है
लेकिन ऐसा कोई नहीं

तौबा तौबा ये जलवे
कैसे कोई ना बहके

है ये चाँद जैसा चेहरा
और कँवल की डंठल गर्दन
मोरनी सी चाल है तेरी
हिरनी जैसे चंचल चितवन
तू जहाँ जहाँ से गुज़रे
महके वो राहें सारी
रंग रंग तू छलके तो
महके निगाहें सारी
आ ...

चाँद नगर में ठंडी हवाएँ
प्यार की मैं ले जाऊँगा
फिर मैं चाँद की चांदी
और सोने से महल बनाऊँगा
आ ...

तारे तोड़ के लाऊँगा
और सारा महल सजाऊँगा
नरम मुलायम बादल मैं
वहाँ तेरे लिए बिछाऊँगा

फूलों से शबनम लाऊँगा
फिर मैं तुझे नहलाऊँगा
और उस भीगे हुस्न को जानां
आँखों से पी जाऊँगा

तौबा तौबा ये जलवे
तौबा तौबा ये जलवे
कैसे कोई ना बहके
आ ...

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.